GCG1-5-HI

यीशु सारे विश्वासियों को चेले बनाने के लिए बुलाता है - प्रोग्राम 5

अनाऊंसर: आप क्या सोचते हैं कि सबसे मुख्य बात क्या है?
नंबर एक बात जो यीशु चाहता है विश्वासी करे अमेरिका में, कैनडा में, मध्य अमेरिका में, दक्षिण अमेरिका में, यूरोप में, मध्य-पूर्व में, अफ्रीका, आशिया में, फिलिपीन्स और ऑस्ट्रेलिया में/

यीशु ने कहा जाओ और चेले बनाओ, चेला क्या है? आप चेला कैसे बनाते हैं?
आज मेरे मेहमान हैं जो हमने बताएँगे, वो हैं रॉबी गैलेटी, ऐसे मनुष्य जो 3200 लोगों के चर्च के पास्टर हैं/ और सुबह की चार आराधना होती हैं, इन्होने व्यक्तिगत रूप में चेले बनाए हैं, हर साल 7 या 8 लोगों को/ और वो भी आगे बढकर दूसरों को चेले बनाते हैं/
अब यदि आपने किसी को चेला नही बनाया है, क्या ये सच में संभव है कि आप इसे कर सकते हैं? आपको कौनसी व्यवहारिक बातें जानना जरूरी हैं?
आज आप इसे देखेगे, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं, हमारे संसार की अद्भुत गिनती के बारे में, जो हमारे जीवन पर प्रभाव डालती है, उदाहरण के लिए इस पृथ्वी पर 7 बिलियन लोग हैं, और विश्वासी के नाते हमें जानना होगा कि साड़े चार बिलियन लोग, प्रभु यीशु को नही जानते हैं और यीशु के पास योजना है कि हम उन तक कैसे पहुंचे, जिसे महान आज्ञा कहते हैं, हम जाकर सब देशों के लोगों को चेला बना सकते हैं, और इस आज्ञा के साथ, आज हम देखेगे कि यीशु हमें प्रतिज्ञा देता है, देखो मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगा, ये अद्भुत प्रतिज्ञा है, हम इस पर चर्चा करेगे और बताएगे कि कैसे इसने चर्च के इतिहास में संतों के जीवन पर प्रभाव डाला है/
और आज हमारे साथ बहुत ही आदरणीय मेहमान हैं/ रॉबी गैलेटी, ये बहुत अच्छे बाइबल टीचर हैं, ये परमेश्वर के वचन से समझकर बताना जानते हैं, और रॉबी आज जैसे प्रोग्राम शुरू करते हैं, इस प्रतिज्ञा के बारे में बताइए, ये बहुमूल्य प्रतिज्ञा, ये तो महान आज्ञा के साथ जोडनेवाली या उसके साथ की बात नही है, ये तो एक मुख्य बात है इसे बताइए/
रॉबी गैलेटी: जी, यीशु ने हमें ये आज्ञा दी, बिलकुल अंत में, उसने हमें ये प्रतिज्ञा दी, महान आज्ञा के अंत में, देखो, मैं जगत के अंत तक तुम्हारे संग रहूँगा, अब दिलचस्प बात तो ये है कि इस वचन के भाग की समझ से, प्रतिज्ञा तो इस बात से जुडी है, जिसे हमने कुछ हफ्तों पहले देखा है, जो है जाओ और चेले बनाओ/ याने वो ये कह रहा था, जब तुम संसार में चेले बनाने के लिए जाते हैं, तो मैं जगत के अंत तक तुम्हारे संग रहूँगा, अब ये बाद का विचार नही है जैसे आपने कहा, ये सामान्य बात है जो यीशु अंत में बताता है/ यही फर्क है जो फर्क लाता है, ये महान आज्ञा की अटल विशेषता है/

दिलचस्प ये है कि जैसे वो शुरू करता है, अपने अधिकार के साथ, उसने वचन 18 में कहा, आकाश और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, और अपनी उपस्थिति की प्रतिज्ञा के साथ में अंत करता है/ स्वाभाविक रूप में वो यहाँ कहता है, वो कहता है कि मैं तुम्हारे संग रहूँगा, तुम जहाँ भी जाओ/ अब चेलों के मन को सोचिए, जब उन्होंने इसे सुना/ यहाँ ये 12 मुश्किल लोग हैं, इन लोगों को जीवन के हर भाग से बुलाया गया था कि यीशु के पीछे चले/ वो उसके साथ जीते थे,वो उसे शिक्षा देते देखते, उन्होंने बड़ी भीड़ को देखा, उन्होंने सबकुछ देखा, और अब यीशु कहता है ठीक है, लोगों मैं तुम्हें छोड़ जाऊँगा, अब इस समय तक मैं कहूँगा, चेलों ने कहा होगा कि यीशु किसी भी तरह से हम ये तेरे बिना नही कर सकते हैं, मतलब अभी अभी तो तेरे साथ आए हैं, तो तेरे बिना इसे कैसे करेगे?

लेकिन बाइबल में चार कदम हैं, जो यीशु हमें चेले बनाने के लिए दिखता है/ चलिए इसे देखते हैं, इन में पहले ये है/ यीशु ने इसे किया और चेलों ने देखा/ आपको याद होगा, पहाड़ी उपदेश, यीशु ने चेलों को अपने पीछे चलने के लिए बुलाया, वो भीड़ में बैठकर देख रहे थे, जैसे वो प्रभु का वचन समझा रहा था, और फिर दूसरा कदम है, थोडा और भी आगे/ जहाँ यीशु ने इसे किया, और चेलों ने उसकी मदत की, आपको 5000 लोगों को भोजन देने की कहानी याद होगी, या 4000 लोगों को भोजन देना/ यीशु रोटी तोड़ता है, वो मछली देता है, वो शिक्षा देता है और फिर वो कहता है चेलों जाकर भोजन बांटो और खैर बाद में सब टोकरी में भरकर मेरे पास ले आओ/ यीशु ने इसे किया और चेलों ये उसकी मदत की/

और फिर ये और बदल गया, ये बदल गया क्योंकि यीशुने कहा, तुम इसे करोगे, और मैं तुम्हारी मदत करूंगा, याद है जब यीशु रूपांतरण के पहाड़ से निचे आया था, वो इस गडबडी की परिस्थीती में आया जहाँ, पिता अपने पुत्र को लेकर आया, उसने कहा मैं अपने बेटे को तेरे चेलों के पास लेकर आया, कि देखूं कि वो कुछ कर सकते हैं, और कुछ नही कर पाए, यीशु क्या तू कुछ कर सकता है यीशु ने कहा चेलों पीछे हटो कि मैं कुछ करूं, क्या ये मजाक है/ मैं सबकुछ कर सकता हूँ, क्या तुम विश्वास करते हो? जब चेलों को मदत की जरूरत थी तब यीशु ने मदत की/ वो वहाँ आया/

अब ये अंतिम बात है/ चेलों ने इसे किया और यीशु ने देखा/ अब हम जानते हैं कि यीशु केवल देखता नही, लेकिन वो एक कदम पीछे हटा, याद है जब उसने 70 या 72 को भेजा था, उसने कहा मैं तुम्हें सारी सामर्थ और अधिकार देता हूँ, कि दुष्ट आत्माओं को निकालो, चंगाई दो और मेरे नाम में भविष्यवाणी करो/ जब वो वापस आकर कहने लगे, यीशु तुम्हें विश्वास नही होगा कि क्या हुआ/ तूने सही कहा, हमने प्रचार किया और चंगाई दी, और तूने सामर्थी काम किए/

अब, नए नियम के विश्वासी के नाते, हमारे जीवन में कभी ऐसी परिस्थिति नही आई, जहाँ प्रभु हमारे जीवन में काम नही कर रहा हो/ क्योंकि उसने अपनी उपस्थिति की प्रतिज्ञा हम से की है, अब, चेले बोझ में थे,युहन्ना 14:15-19 में यीशु के वचन यहाँ लिखे गए हैं, मैं आज सच में लोगों को प्रोत्साहित करता हूँ, पुरे संसार के सब विश्वासियों को, यीशु के शब्दों को सुनिए/ यदि तुम मुझ से प्रेम करते हो तो मेरी आज्ञा मानोगे/ और मैं पिता से बिनती करूंगा और वो तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह तुम्हारे साथ रहे/ अर्थात सत्य का आत्मा जिसे संसार ग्रहण नही कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है,और न उसे जानता है, तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, यही बात है, वह तुम में होगा/ यीशु ने कहा मैं तुम्हें अनाथ नही छोडूगा, मैं तुम्हारे पास आता हूँ/ और थोड़ी देर रह गई है कि संसार मुझे न देखेगा/ परन्तु तुम मुझे देखोगे, इसलिए कि मैं जीवित हूँ, तुम भी जीवित रहोगे, वचन 20 कुंजी है,उस दिन तुम जानोगे कि मैं अपने पिता में हूँ और तुम मुझ में और मैं तुम में/

अब मत्ती इस भेद को प्रकट करता है/ अपने सुसमाचार के शुरू में और अपने सुसमाचार के अंत में, सुसमाचार के शुरू में, मत्ती अध्याय 1, याद है वो कहानी कि प्रभु का दूत आता है और कहता है कि तू उसका नाम इम्मानुएल रखना, जैसे पुराने नियम में उसने भविष्यवाणी की थी, इसका अर्थ है परमेश्वर हमारे साथ है/ तो

मत्ती शुरू में इसके बारे में बताता है, क्या ये अद्भुत नही सुसमाचार के अंत में मत्ती 28:20 में, अंतिम वचन के अंतिम शब्द में कहता है मैं सदा तुम्हारे साथ रहूँगा/ मत्ती का सुसमाचार यही खत्म होता है, जो आज हमें विश्वासी के नाते प्रोत्साहित करनेवाला हो/ कि चाहे कुछ भी हो जाए/ हम जहाँ भी जाए प्रभु यीशु मसीह केवल हमारे साथ ही नही, वो हम में है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, हम कुछ व्यक्तिगत उदाहारण देखेगे, कि कैसे यीशु मसीह ने इसे हमारे जीवन में किया है, लेकिन चलिए अब उदाहारण देखते हैं कि पुराने नियम से परमेश्वर ने किसी के साथ था, खासकर मूसा के साथ/

रॉबी गैलेटी: जी, मूसा अच्छा उदाहरण है, आपको मूसा याद है वो हकलाता था, बोल नही पाता था, प्रभु ने उसका उपयोग किया, वो अब 80 साल का था, रेगिस्तान के उस पर, और प्रभु उसके पास आकर कहता है मूसा, मैं चाहता हूँ कि तू मेरे लिए कहना, तो मूसा कहता है कि प्रभु मैं तेरे नही कह सकता, और फिर वो उसे ये प्रतिज्ञा देता है, इसे देखीए निर्गमन 3:12 में, मूसा ने परमेश्वर से कहा, मैं कौन हूँ कि फिरोन के पास जाऊं, और इस्राएलियों को मिस्र में से बाहर निकाल ले आऊ? और परमेश्वर ने कहा मैं तेरे संग रहूँगा, तेरा भेजनेवाला मैं हूँ तेरे लिए ये चिन्ह होगा, प्रभु ने प्रतिज्ञा दी, जब तुम फिरोन के सामने खड़े होगे, और जब मुश्किल होगा और कठिन होगा, मतलब वो उस समय के संसार के प्रेसिडेंट के सामने जा रहा था, सबसे बलवान और उस समय का सबसे सामर्थी मनुष्य, और मूसा तो चरवाह था, जो जीवन भर भेड़ और बकरियां चराता था, अब वो फिरोन के सामने खड़ा होनेवाला था,और कहता है मेरे लोगों को जाने दे/ प्रभु ने कहा तुम्हें चिंता करने की जरूरत नही मूसा, क्योंकि मैं तेरे साथ रहूँगा/

अब हम इसे और आगे देख सकते हैं, याद है जब मूसा इस्राएलियों को रेगिस्तान से ले जा रहा था, जो कुडकूड़ा रहे थे, हर समय शिकायत कर रहे थे, प्रभु ने कहा मैं तुम्हारा मार्गदर्शन करूंगा/ मैं रात को आग रखूंगा, और दिन में बदल, दिन में बदल का खम्भा रखूंगा, परमेश्वर ने मूसा से जो वादा किया था उसे उसने पूरा किया/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मैं चाहता हूँ कि लोग इसे समझ ले, बहुत से विश्वासी लोग अभी सुन रहे हैं, और वो जानते हैं कि यीशु ने हमें पुरे संसार में जाने की आज्ञा दी है, और चेले बनाना है और इसका अर्थ है कि हमें किसी से बातें करना है, और लोग हमारी ओर देखकर कहते हैं आप के लिए ये आसान है, ये हमेशा मेरे लिए आसान नही है, मुझे याद है, जब मैंने इसे पहले सुना, और मुझे निर्णय लेना पड़ा कि क्या मैं इसकी कोशिश करूंगा/ और मैंने सोचा यदि मैं ये किसी से कहूँगा, मैं उस समय हायस्कुल में था/ मैंने सोचा मेरे सारे दोस्त चले जाएगे, मैं बहुत विख्यात नही रहूँगा, मेरे प्रभाव जाएगा, वो मरे बारे में क्या सोचेगे, और ये सब, और प्रभु ने मुझे कायल किया और अंत में मैंने कहा जो भी कीमत हो, ठीक है, मैं कोशिश करूंगा, अब मेरे पास कोई विचार नही था, न ज्ञान और जानकारी थी कि लोगों से बातें करूं, लेकिन मुझे याद है मैं ऐसे कहता था, ठीक है, यदि तू चाहता है कि मैं ये करू तो कोशिश करूंगा/

अब लोग कहते हैं जब लोग आप से सवाल पूछते हैं तो आप क्या करते हैं, और आप नही जानते हैं, मैं अपनी किताबों में बाइबल लेकर चलता था, लोग बाइबल देखकर कहते थे क्या आप विश्वासी हैं? हाँ/ मैं कहता क्या आप विश्वासी हैं, वो कहते नही, तो वो सवाल पूछते थे, खैर उन दिनों में जब मैंने प्रभु को हाँ कहा, मैं तेरे लिए गवाह बनूंगा, तो मैं लोगों से बातें करने लगा, मुझे याद है, कईबार मेरा जवाब ये होता था कि मुझे पता नही, मैंने ये जोड़ा, मैं आपको बताऊ, ठीक है आज मैं इसे देखूंगा और कल आपको बताऊंगा, और वो कहते ठीक है, मतलब वो अपेक्षा नही कर रहे थे कि मैं उन पर चिल्लाऊ, ठीक है/ तो सच्चाई ये है कि मैं घर जाता और उन वचनों को देखता, और मैं बहुत जानकरी जमा करता, आप इसी तरह से सीखते हैं, हम कोशीश करते हैं, किसी तरह से, हमें इसे शुरू करना है, आपको इसे करने की कोशिश करनी है/

मुझे याद है, ऐसा करने के द्वारा, मैं सच में विश्वास नही कर पाया कि प्रभु सच में मेरे साथ ऐसा करेगा/ मुझे विश्वास करना मुश्किल था कि मेरे लिए काम करेगा/ और जो लोग सुन रहे हैं, इन्हें विश्वास करना मुश्किल होता है कि यदि ये दोस्तों से बातें करेगे, तो कुछ होगा और ये काम करेगा, परमेश्वर इस में जुड़ जाएगा, हम इसी के बारे में कह रहे हैं, यीशु ने कहा कि मैं तुम्हारे साथ रहूँगा, पवित्र आत्मा कायल करेगा, वो बातें करेगा, आपकी उपस्थिति का उपयोग करेगा, शायद आपके पास सेमनरी डिग्री न हो, शायद पूरी जानकारी न हो/ लेकिन आप शुरू करे, अपनी गवाही से शुरू करे, और बस इसे लोगों को बताना शुरू करे/ और जो हुआ उससे आप चकित हो जाएगे/

और मैं आशा करता हूँ दोस्तों को आप सुन रहे हैं/ कि आप प्रोत्साहित होगे और किसी के साथ इसकी कोशीश करेगे, यदि आपके पास जवाब नही हैं तो सब जवाब जोड़ने की कोशीश किजिए, थोडा थोडा करके, आपके दोस्त अपेक्षा नही करते हैं कि आप सारा ज्ञान रखे, आपके पास जो ज्ञान है वो उन्हें चकित कर देगा/ परमेश्वर ने आपके साथ जो किया उससे शुरू कीजिए/ आप इसमें कुछ जोड़ना चाहेगे?

रॉबी गैलेटी: जी और यही बात है, हमें सेमनरी पढाई नही चाहिए, बाइबल कॉलेज नही जाना है कि अपने विश्वास को बाँटना समझ सके, हम प्रतिदिन लोगों से मिलते हैं, हम लोगों के साथ लंच पर जाते हैं, हम लोगों के साथ कॉफ़ी पीते हैं, हम लोगों के साथ एक ही जगह पर जाते हैं/ तो हम हमारे आस पास के लोगों ये क्यों न बताए/ हम इस तरह क्यों व्यवहार करते हैं, हम क्यों प्रभु से प्रेम करते हैं, हमारे व्यक्तिगत जीवन में क्या हुआ है/

जानते हैं, मुझे डेविड लिविंगस्टोन की कहानी याद आती है, हम कईबार सोचते हैं कि मसीही जीवन आसन होगा, अमेरिका में हम सोचते हैं कि ये आसन है, वहां बहुतसे भाई और बहन हैं, जो सच में लड़ रहे हैं मुश्किल से जा रहे हैं, और मैं सोचता हूँ कि ये बहुत महत्वपूर्ण है जॉन, डेविड लिविंगस्टोन अफ्रीका में रहने के लिए गए/ मिशनरी के रूप में/ और वहां के बहुत से मिशनरी को नही जाते थे, जो सुसमाचार प्रचार कर रहे थे, उनके जीवन काल में वो 29 हजार मील चले थे, पैदल ही, कल्पना कर सकते हैं, वो 29 हज़ार मील यात्रा कर के सुसमाचार प्रचार किए हैं, एक बार सिंह ने उन पर हमला किया था/ उनके जीवन में ज्यादातर आधे अन्धे के रूप में सेवा किए/ उनके पहचानवाले मदतगार उन पर हमला करने लगे/ समाज के लोगों ने उनक पर हमला करने की कोशीश की, एक दिन उन्होंने अपनी डायरी में ये शब्द लिखे/ जो सच में अद्भुत हैं, उन्होंने कहा, प्रभु मुझे कही भी भेज, केवल मेरे साथ रहना/ मुझ पर कोई भी बोझ रख दे, और मुझे बचा ले, मुझे किसी भी बंधन से रख दे, लेकिन वो बंधन मुझे तेरी सेवा में बंधा रखे/ मैं अकसर सोचता हूँ कि आज कितने विश्वासी ये कह सकते हैं, प्रभु, तू मेरे जीवन से वो सब दूर कर दे जो मुझे तेरे साथ जुड़ने से रोकता है/

उन्हें मौका मिला कि वो स्कॉटलैंड वापस आए, और उन्होंने ग्लासगो यूनिवर्सिटी में संदेश दिया/ वो उन विद्यार्थियों को बताने लगे कि परमेश्वर ने क्या किया, आप देख सकते थे कि वो कितने भावुक हुए, वो मुश्किल जीवन से होकर गए हैं, उनकी रगों में 27 अलग अलग तक के रोग थे/ सिंह ने उन पर हमला किया था उसके बाद से उनका एक हाथ सुन्न हो गया था, इस तरह वो चले हुए मंच पर आए थे, और उन्होंने ये शब्द कहे, आप सोच रहे होगे कि मैं मुश्किल समय में कैसे बच गया/ उन्होंने यही कहा/ उन्होंने कहा क्या मैं आपको बताऊ कि किसने मुझे बचाया, मुश्किल और परेशानी के बीच में, मेरे दूर अकेले रहने में, ये तो मसीह की प्रतिज्ञा थी कि देखो मैं जगत के अंत तक तुम्हारे संग हूँ/ ये प्रोत्साहित करनेवाली बात है, ये प्रतिज्ञा जो यीशु ने चेलों को 2000 पहले दी थी, हम आज उसका दावा कर सकते हैं, इस वर्तमान के युग में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी, मैं सच में केनिया गया था, मैं उन सडकों पर गया जहाँ डेविड लिविंगस्टोन चला करते थे, और वहां जंगल में सिंह के गरजने का अनुभव किया, और मैं बस कह रहा हूँ, कि मैं इससे चकित हूँ कि मसीह की उपस्थिति काफी थी कि उन्हें इस जगह ऐसे मार्गों से लेकर जाए, उन लोगों तक जाए और 29 हजार मील चलते जाए,
अब मैं प्रोग्राम देखनेवाले दर्शकों की ओर इसे लाना चाहूँगा,शायद कुछ लोग होगे अफ्रीका में, और ओरियांतो में, यूरोप और ऐसी जगह जिसकी कल्पना भी नही कर सकते हैं, जो अभी ये प्रोग्राम देख रहे हैं, जो कह रहे हैं, ठीक है, मेरे बारे में क्या है, मैं डेविड लिविंगस्टोन नही, मैं मूसा नही, ठीक है, हम लोगों को यही बताना चाहते हैं कि ये प्रतिज्ञा उनके लिए है/ यीशु ने कहा मैं तुम्हारे साथ रहूँगा,
और अब हम ब्रेक लेगे और वापस आने पर, हम कुछ व्यक्तिगत अनुभव बताएगे, साथ ही हम चर्चा करेगे, असली सामर्थ, चाहे जब आप जाते हैं, आप मसीह पर आधारित रहे, खैर प्रोगाम में बने रहिए, हम लौट आएँगे/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है हम लौट आए हैं और रॉबी गैलेटी से चर्चा कर रहे हैं, महान आज्ञा के बारे में, जब हम यीशु की आज्ञा मानते हैं, अपने पडोसी के पास जाते दोस्तों के पास जाते, हम सुसमाचार बांटते हैं, उन्हें चेले बनाते हैं, उसने प्रतिज्ञा की है कि वो हमारे साथ होगा, केवल उनके साथ नही जिनके पास पीएच डी हैं, केवल उन्ही के साथ नही जो सेमनरी में गए थे, या केवल पास्टर के साथ, वो कह रहा है हर विश्वासी जो जाएगा/ और मैं आपके मन में ये बताना चाहता हूँ कि यीशु आपके लिए इसे प्रकट करेगा, और रॉबी इसे बाइबल से देखते हैं और फिर व्यक्तिगत उदाहरण से चर्चा कीजिए/
रॉबी गैलेटी: जी, ये जानना बहुत जरूरी है कि ये हमारी व्यक्तिगत योग्यता पर नही है, ये प्रभु के लिए हमारे उपलब्ध होने पर आधारित है/ प्रभु तैयार लोगों को नही बुलाता, वो बुलाए लोगों को तैयार करता है/ हम यही देख रहे हैं, हम उन लोगों को देख रहे हैं, जो जाने के लिए तैयार हैं/ ये प्रतिज्ञाएँ उनके लिए उपयोगी नही है, जो घर में बैठकर इसके बारे में दिन भर सोचते रहे, हम सच में ऐसे करना होगा/
अब ये सवाल है, ये विश्वासी के जीवन में कैसे होता है? भाई टीम, मेरे मेंटर, एक दिन वो मुझे एक तरफ ले गए, और ये शब्द कहे, उन्होंने कहा कि मसीही जीवन एक तो आसान है या असंभव है, यदि आप इसे अपनी शक्ति में करना चाहे तो ये असंभव है, लेकीन ये बहुत आसन होती है, जब आप मसीह को काम करने देते हैं, कि आप के लिए काम करे, अब इन सिद्धनातों को मसीह कैसे कहते हैं/ हम इसे पुरे वचन में देखते हैं, और ये विश्वासियों को प्रोत्साहित करते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि सच में हम नही करते हैं, लेकिन मसीह हम में करता है/
अब इस वचन को सुनिए,दूसरा कुरिन्थियों अध्याय 4 वचन 7, पौलुस कहता है कि परन्तु हमारे पास ये धन मिटटी के बरतनों में रखा है, कि यह असीम सामर्थ हमारी ओर से नही, वरन परमेश्वर ही की ओर से ठहरे/ याने वो ये कहता है, ये परमेश्वर का आत्मा है, जो हमारे जीवन में देखता है, और वो हम नही, अब फिर से पौलुस अपने व्यक्तिगत मिशन स्टेटमेंट के बारे मे कहता है, कुलुस्सियों अध्याय 1 वचन 27 से 29 में, ये सच में पौलुस का मिशन स्टेटमेंट है,पौलुस यही कहता है, जिन पर परमेश्वर ने प्रकट करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो, कि अन्यजाती में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है और वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है/ वचन 28, जिसका हम प्रचार करके, हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं,और सारे ज्ञान से हरएक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हरएक व्यक्ति को मसीह में सिद्ध करके उपस्थित करे/ हम इसे कैसे कर सकते हैं

पौलुस? इसी के लिए मैं उस की शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ के साथ प्रभाव डालती है, तन मन लगाकर परिश्रम भी करता हूँ/ तो पौलुस कहता है कि यही बात है, मैं काम करता हूँ, लेकिन सच में जानता हूँ कि पर्दे के पीछे, ये मसीह है जो मुझ में और मेरे द्वारा काम करता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मुझे ये पसन्द आया आपके कहा मैं मेहनत करता हूँ, ठीक है, याने आप मेहनत करते हैं, और आपको आना पड़ता है/ और आपको जब कईबार प्रचार करते हैं तो आपको पढ़ना पड़ता है/ लेकिन पृष्ठभूमि में जो काम करता है, ये आपको बुद्धिमानी या पढाई नही है ये तो मसीह सामर्थ देता है कि इसका अर्थ हो/ जब आप किसी के पास जाकर उनसे बातें करते हैं, जानते हैं, कुछ हदतक तयारी करनी पडती है, आपको कुछ कहना पड़ता है, ठीक है, लेकिन सच में पीछे जब आप जाकर इसे करते हैं, मसीह उन शब्दों को सामर्थ देगा, और इस तरह से उपयोग करेगा कि आपने सोचा भी नही था कि ये संभव होगा/

रॉबी गैलेटी: बिलकुल, और पौलुस इसे फिलिप्पियों और इफिस्सियों में भी कहता है, फिलिप्पियों अध्याय 2 वचन 12, सो हे भाइयों जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए, पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और कांपते हुए अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ/ पौलुस हमें ये कैसे करना चाहिए, क्योंकि परमेश्वर ही है जिसकी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातें करने का प्रभाव डाला है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, वो यही कह रहा है, उसने जो वहां रखा है, उसने रखा है अब तुम काम करो/ जी सच है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, इसे लेकर उपयोग करना शुरू करो/ और सच्चाई तो ये है कि दुसरे वचन, याने वो कुछ करने की इच्छा देता है, वो खोए हुओं के लिए इच्छा देता है/ वो लोगों के पास जाने की इच्छा देता है/ और यदि वो आपको देता है, वो आपको देता है और आपको इसे करने की योग्यता देता है, दोनों इच्छा और काम करने की, वो इसे करने की योग्यता देता है/ और मैं फिर से कहता हूँ, इसे शुरू तो करना ही होगा, किसी को निर्णय लेना होगा, ये प्रतिज्ञाएँ याने परमेश्वर झूठ नही कहता है/ ठीक है, वो सामर्थ देगा, यदि हम कही शुरू करते हैं/

रॉबी गैलेटी: जी, इफिसियों 2:8 मन में आता है, ये उद्धार पर महान वचन है, लेकिन बहुत से लोग वचन 9 में रुक जाते हैं, क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नही, वरन परमेश्वर का दान है/ और न कामों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे/ वचन 10, क्योंकि हम उसके बनाए गए हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिए सृजे गए, जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिए तैयार किया/ याने वो कहता है कि ये बनाए गए याने ये विचार है कि कलाकर, या कुंभार मिटटी को आकर देता है/ ये विश्वासी के नाते हमें दिखाता कि परमेश्वर हम में काम करता है, लेकिन ये काम जो वो हमें देता है, हमारे द्वारा करता है/ इफिसियों अध्याय 2 में, हमने इसे देखा/ लेकिन इफिसियों अध्याय 3 वचन 20 देखिए, अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी बिनती और समझ से कही अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ के अनुसार जो हम में कार्य करता है/ याने पौलुस पुरे वचन में इसके बारे में कहता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी मुझे बाइबल के ये वचन पसंद है, लोग बस बाइबल के वचन सुनते हैं, लेकिन कभी खुद इसकी कोशीश नही करते हैं, मैं चाहता हूँ कि वो कुर्सी से उठकर खेलने चले/ ठीक है/ आप कैसे कुर्सी से उठकर खेल में आए, क्योंकि आप खुद इन प्रतिज्ञाओं पर विश्वास नही कर पा रहे थे/ किस कारण आपने कोशीश की कि देखे क्या होता है?

रॉबी गैलेटी: जी, नए विश्वासी के रूप में, मुझे प्रभु के बारे में ज्यादा पता नही था, मैं केवल 6 महीने से विश्वासी था, मैंने बाइबल पढ़ना शुरू किया लेकिन कभी सेमनरी में नही गया, मेरे पास बाइबल डिग्री नही थी, प्रभु के बारे में ज्यादा नही जानता था, लेकिन मैं प्रभु के बारे में उत्साहित था/ हम शुक्रवार शाम यही करते थे, मेरे दोस्तों का समूह मिलता था, हम फ़िल्म देखने या खाने के लिए नही जाते थे, हम शुक्रवार शाम 45 मिनट प्रार्थना में बिताते थे, प्रभु के सामने मुंह के बल गिरते थे, फिर मेरी गाड़ी में बैठते थे, और प्रार्थना करते प्रभु हमारे लिए द्वार खोल कि लोगों को तेरे बारे में बता पाए/ उस समय के बारे में सोचे तो बहुत अजीब था/ और हम बस नगर में आ रहे, हमारे एक दोस्त कहते कि उस व्यक्ति को प्रभु कि जरूरत है, तो सच में हम कार सडक के किनारे लगाते थे, और अपनी कार से बाहर आकर कहते हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने हमने भेजा है कि आपको मसीह के बारे में बताए/ और जॉन मैं बता नही सकता कि कितनी बार, पार्किंग लोट में, या वोल मार्ट में, या वोल ग्रीन्स में, हम लोगो को प्रभु के पास लाए, ये दिलचस्प है कि उन में कुछ लोगों ने हम से कहा, मैं तो जा रहा था, कि जीवन खत्म कर दूँ, या मैं जा रहा था कि अपनी पत्नी को धोका दूँ/ मैं तलाख के बारे में सोच रहा था, लेकिन परमेश्वर ने तुम लोगों को मेरे जीवन में रखा, और हम जानते थे कि हमारे कारण ही जो हमने किया, लेकिन हम तो मसीह की आज्ञा और उसकी बुलाहट के लिए अपने जीवन में आज्ञाकारी रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: यदि मैं गलत नही तो आपके पास एक और कहानी है, एक भाई कार चला रहे थे और प्रार्थना की सभा ढूड रहे थे, ये सब किस बारे में था/

रॉबी गैलेटी: जी, जब हम बाहर जाकर गवाही देते और मसीह के बारे में बताते थे, हम हमेशा इस डायनर में खाने के लिए जाते थे, उस डायनर के मालिक रिकवरिंग एडिक्ट थे, हम हमेशा उन्हें मसीह के बारे मे बताते थे, हमने उन्हें चर्च और प्रार्थना सभा में बुलाते थे, हमेशा उनका जवाब था कि धन्यवाद लेकिन धन्यवाद नही, यदि प्रभु कि मुझे जरूरत पड़ी तो मैं आपको बताउगा, एक सुबह जैसे हम प्रार्थना कर रहे थे, हम उठकर प्रार्थना करते थे, काम पर जाने से पहले 5 से 7 तक प्रार्थना करते थे, एक सुबह हम प्रार्थना कर रहे थे, और प्रार्थना के बीच मैंने महसूस किया कि कोई मेरे घर में चल रहा है, और मेरे बाजु में आकर बैठ गया, मैंने सोचा प्रार्थना सभा का कोई भाई होगा, मैंने अपनी आंखें नही खोली/

और कुछ पल के बाद, प्रार्थना खत्म करने के बाद मैनें आँखे खोली/ वहां रेस्टोरेंट के मालिक थे, वो उस समूह प्रार्थना सभा ढूडते हुए आए थे, हमने बाद में उनसे पूछा कि आपको ये कैसे मिला? उन्होंने कहा कल रात मैंने अपनी पत्नी को छोड़ने का निर्णय लिया सोचा कि उसे तलाख दे दूँ, और मेरे परिवार को छोड़ दूँ, उन्होंने कहा कि आज सुबह जब मैं जागा तो जाना, कि मुझे ढूडना होगा कि ये लोग कहाँ प्रार्थना करते हैं, उन्होंने कहा कि मुझे केवल सडक का पता था, उन्होंने कहा, मैं इस सडक पर गाडी चला रहा था, वो कार से बाहर आए, वो द्वार तक आए और सोचे कि शायद यही घर है, जैसे ही नोब पर हाथ रखा तो लोगों की प्रार्थना की आवाज़ सुनी, अपने ट्रक के पास वापस गए और कहा कि ये लोग पागल हैं, लेकिन प्रभु ने उन्हें जाने नही दिया/ वो फिर कार से बाहर आए, और चलते हुए घर में आए, और बैठ गए और कहा मुझे यही करना चाहिए/ जॉन, उस दिन बाद में हम उन्हें प्रभु के पास लेकर आए/ और ये इसलिए था कि प्रभु हमारे जीवन में हमारा उपयोग कर रहा था/

याने सच सवाल तो ये नही है कि क्या यीशु हमारे साथ है, हम वचन से जानते हैं कि यीशु हमारे साथ है, सवाल ये नही कि क्या हमारे पास सामर्थ है कि मिशन में बने रहे या इसे पूरा करे, जवाब तो हाँ है, उसने हमें सामर्थ दी है/ याने सच हमें खुद से ये सवाल पूछना चाहिए, क्या यीशु काफी है,यीशु जब तू जाने के लिए कहेगा मैं जाउंगा, तू जो चाहता है कि मैं करूं मैं वही करूंगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और दोस्तों फिर से, मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ, मैं जानता हूँ कि केवल बैठकर प्रचारकों से वचन को सुनना कैसे होता है/ लेकिन मैं आशा करता हूँ कि आप इसे सुने, कि वो उत्साह कैसे होगा कि आप कोशीश करे, और पाए कि ये आपके लिए काम करता है/ ये आपका जीवन बदल देगा/ ये परमेश्वर की इच्छा के अनुसार है/ यीशु ने हमें यही मुख्य आज्ञा दी है, बहुत सी अच्छी बातें इसके साथ होती है, आप केवल इसकी कोशीश कीजिए/ यीशु ने कहा कि वो आपके साथ होगा,

अब अगले हफ्ते हम देखेगे, यदि आप इसे नही करते हैं तो क्या/ नाश करनेवाले परिणाम क्या हैं, जो होगे यदि विश्वासी यीशु की आज्ञा न माने कि जाकर चेले बनाए/ हम इस पर चर्चा करेगे, आप हमारे साथ जुड़ जाइए/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2017 ऋच्ड्ढक्ष्